मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 46-9/99/सी-3/20, भोपाल दिनांक 14 जून 1999 के अनुसार चुनी हुई शासकीय माध्यमिक शालाओं में प्रयोगात्मक रूप से प्रचलन हेतु अनुमोदित एवं निर्धारित।

मानचित्र के आंतरिक विवरणों को सही दर्शाने का दायित्व प्रकाशक का है।

द्वितीय संस्करण (संशोधित)

प्रथम मुद्रण 1994

द्वितीय मुद्रण 1996

तृतीय मुद्रण 1999

आवरण चित्र 'देश का पर्यावरण' से साभार

मध्यप्रदेश पाठयपुस्तक निगम की ओर से एवं उनके लिए राजकमल ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित।

सामाजिक अध्ययन

कक्षा सात

(प्रायोगिक संस्करण)

मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम, भोपाल

1999

आपस की बात

मध्य प्रदेश की माध्यमिक शालाओं में विज्ञान शिक्षण में नवाचार करने के प्रयास 1972 में दो स्वयं सेवी संस्थाओं (किशोर भारती, बनखेड़ी व मित्र मंडल केंद्र, रसूलिया) द्वारा होशंगाबाद विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम से शुरू हुए थे। इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए नए परिप्रेक्ष्य से सामाजिक अध्ययन, भाषा व गणित सीखने-सिखाने की तैयारी एक अगला चरण थी। 'एकलव्य' संस्था इसी उद्देश्य से बनी और लगभग 1982 से ही ये तैयारियां शुरू हो चुकीं थीं।

1986-87 में, राज्य शैक्षणिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद के सहयोग से, माध्यमिक शालाओं के लिए एकलव्य द्वारा विकसित सामाजिक अध्ययन की प्रायोगिक पाठ्य सामग्री 9 माध्यमिक शालाओं की कक्षा 6 में लागू की गई। साल भर के प्रयोग और विवेचना के आधार पर, इस सामग्री को 1987-88 में संशोधित कर फिर से छापा गया। साथ ही कक्षा 7 के लिए प्रायोगिक पाठ तैयार किए गए। एक साल की फील्ड ट्रॉयल के बाद 1988-89 में कक्षा 7 की सामग्री का संशोधन किया गया और कक्षा 8 के लिए प्रायोगिक पाठ तैयार किए गए। कक्षा 8 की सामग्री का संशोधन और पुनर्मुद्रण 1990 में हुआ।

स्कूल के बच्चों व शिक्षकों की भागीदारी से, इन पुस्तकों की कमियां व खूबियां उभर कर आई हैं। रुचि रखने वाले कई लोगों ने भी पाठों की समीक्षा की। इस क्रम में पुस्तक के पाठ बदले गए, सुधारे गए और कुछ पाठ जो के बच्चों के लिए उचित नहीं लगे, वे हटा ही दिए गए। इन के बदले में कुछ नए पाठ जोड़े गए। परीक्षाओं में बच्चों के मूल्यांकन के दौरान भी ऐसी बहुत सी जानकारी मिली जिससे पाठों के संशोधन में मदद मिली। इन तमाम प्रक्रियाओं के फलस्वरूप अब कक्षा 7 की पाठ्य पुस्तक का यह तीसरा संस्करण तैयार हुआ है।

पाठ्य सामग्री के अलावा परीक्षा प्रणाली में भी संशोधन किए गए। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है 'खुली पुस्तक परीक्षा', जिसमें परीक्षा में पुस्तक ले जाने की अनुमति है। सामाजिक अध्ययन में ऐसा प्रयोग स्कूली स्तर पर पहली बार किया गया है। अतः ऐसी परीक्षा के उद्देश्य और स्वरूप के बारे में भी कुछ कहना ज़रूरी है।

सामाजिक अध्ययन के संदर्भ में खुली पुस्तक परीक्षा के दो मुख्य उद्देश्य हैं। पहला, बच्चों में पाठ, नक्शों, तालिका आदि से उत्तर ढूंढ़ पाने की क्षमताका विकास और दूसरा, पाठ या कई पाठों में दी गई जानकारी को समझकर अपने शब्दों में उत्तर लिख पाने की क्षमता का विकास। आशा है कि ऐसी परीक्षा से बहुत सारी जानकारी याद करने का बोझ बच्चों पर से हट जाएगा।

शिक्षा में नवाचार केवल नई पुस्तक छापने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण, अनुवर्तन, फीडबैक, मूल्यांकन, परीक्षा तथा प्रशासन, इन सबका इकट्ठा बदलना ज़रूरी है। ये प्रायोगिक पुस्तक तो इस पूरी प्रक्रिया का अंशमात्र है। सामाजिक अध्ययन कार्यक्रम का यह पूरा विषम काम अब विस्तार के एक नए चरण के लिए तैयार है। निस्संदेह यह काम आप सब के सहयोग से ही आगे बढ़ पाएगा।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के सहयोग से यह कार्यक्रम आज प्रयोग के रूप में मध्य प्रदेश की 8 शालाओं में चलाया जा रहा है। पहले की तरह ही अब भी की पुस्तक के प्रस्तुत संस्करण के प्रकाशन का दायित्व मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम ने उठाया है।

आज सारे देश में शिक्षा को एक नया मोड़ देने की गहन चर्चा हो रही है। हमें आशा है कि सामाजिक अध्ययन की शिक्षा में नवाचार का प्रयास करने की ये पहल उस दिशा में एक ठोस कदम साबित होगी।

एकलव्य ग्रुप,
1994.

पाठ्य सामग्री तैयार करने में डॉ. अम्बेडकर संस्थान, महू; सागर विश्वविद्यालय; दिल्ली विश्वविद्यालय; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली; पंजाब विश्वविद्यालय, चंड़ीगढ; इंदिरा गांधी शोध संस्थान, बंबई; क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल; स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खंडवा; केन्द्रीय भू-जल विकास बोर्ड, भोपाल, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद के साथियों का विशेष सहयोग मिला।

चित्रांकन में सहयोग दिया है शोभा गुप्ता, गणेश दुबे, अर्चना श्रीमाली (भोपाल), ए.आर. शेख (देवास), राजेश यादव (इटारसी) और कैरन ने। फ्रांस के संबंध में अनेक चित्र मोनिका ने प्रदान किए।

फोटोग्राफ हमने कई पुस्तकों और स्रोतों से लिए हैं। इनमें से हरएक का उल्लेख करना संभव नहीं है। इन सभी के हम आभारी हैं।

विषय-सूची

भूगोल

1. आओ मानचित्र बनाएं	2		
2. ऊंचा पहाड़ नीचा मैदान	7	7. यूरोप का विकास	45
3. वर्षा आई नदी बही	12	8. फ्रांस	51
4. भूजल भण्डार	21	9. अफ्रीका	62
5. जीवनदायिनी मिट्टी	30	10. माइकेल के पूर्वज नाइजीरिया से अमेरिका आए थे	73
6. यूरोप महाद्वीप	35	11. इयन और मेरी विक्टोरिया प्रपात देखने गए	84

इतिहास

कक्षा 6 में तुमने जाना था	96		
1. महाराजाधिराज समुद्रगुप्त	99	9. एक पुराना शहर-सीयडोणि	139
2. गांव ही गांव खेत ही खेत	104	10. जाति की कहानी	146
3. राजवंशों का बनना	109	11. हिन्दू धर्म के देवी देवता और रीति-रिवाज	152
4. सामन्त राजा और अधिपति राजा	113	12. इस्लाम धर्म	157
5. कुछ महत्वपूर्ण राजवंश और कुछ महत्वपूर्ण बातें	120	13. देहली में तुर्कों का राज्य बना	161
6. उत्तर भारत के गांव व भोगपति	124	14. सुल्तानों का शासन जमा	169
7. दक्षिण भारत के गांव	127	15. कैसे पता करें क्या हुआ क्या नहीं हुआ	175
8. हर्ष के समय शबर बनवासी	135	16. पुरानी इमारतें	178

नागरिक शास्त्र

याद करें पिछले साल की बातें	188	6. भारत में कपड़ा उद्योग का इतिहास	218
1. उद्योग	189	7. कोर्ट, कचहरी और न्याय	225
2. कसेरा: एक दस्तकार	191	8. बिन पैसों का लेन देन और पैसे की शुरुआत	232
3. बीड़ी और बीड़ी बनाने वाले	198	9. पढो और समझो	239
4. चमड़ा कमाने का काम : बड़ा कारखाना	207	10. देश और प्रान्त	242
5. चमड़ा कमाने का छोटा कारखाना	214	11. सरकार	245